Darshna Mahila Kalyan Samiti
Chhatarpur MP

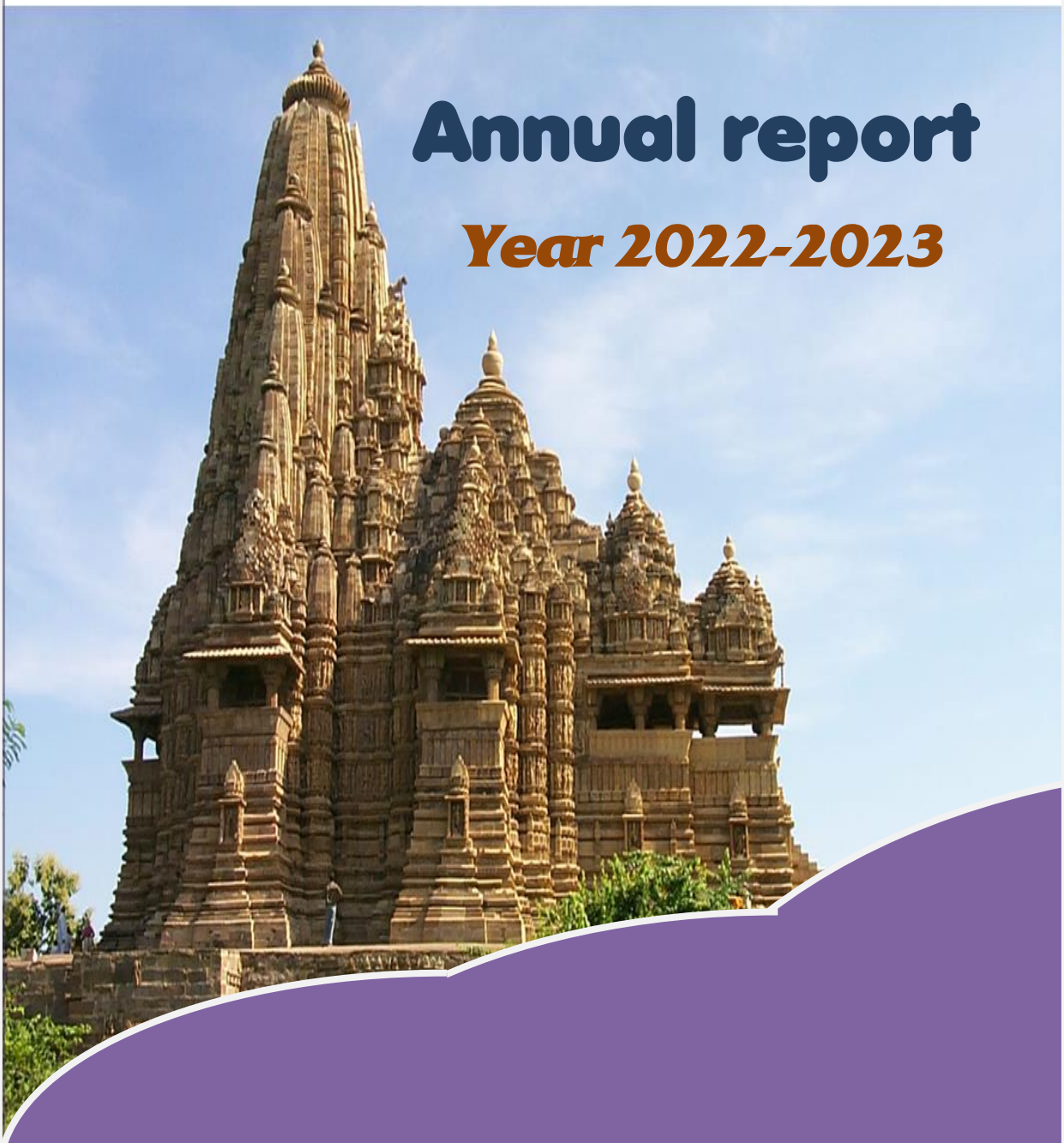

Annual report

Year 2022-2023

दर्शना महिला कल्याण समिति छतरपुर

पंजीयन – SC/2532 एसोसायटी एक्ट, एफसीआरए, 12एए, 80 जी,
कार्यानुभव – वर्ष 1999 से निरंतर

परिचय

बुन्देलखण्ड के हृदय स्थल छतरपुर में संस्था समाज सेवा में रत एक स्वैच्छिक अलाभकारी एवं गैर राजनैतिक संस्था है, जो सामाजिक विकास की प्रक्रिया को तेज करने में संलग्न है। संस्था का पंजीयन 26 मई 1999 को हुआ जिसका पंजीयन क्रमांक एस.सी./2532 है संस्था फॉरेन कंट्रीब्यूसन (रेग्युलेशन) एक्ट 1976 के अंतर्गत पंजीकृत है तथा 80 जी ,12एए एवं पंचायत एवं समाजिक न्याय विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग मध्यप्रदेश शासन तथा नेहरु युवा केंद्र से मान्यता प्राप्त है।

उद्देश्य –

- समाज के प्रत्येक जाति के लोगों का बरावरी एंव अधिकारों के साथ जीवन यापन हो।
- महिला पुरूषों में बरावरी हो।
- स्वाथ्य शिक्षा सभी तक पहुचें।
- प्रत्येक विकास कार्य में समाज की भागीदारी सुनिश्चित हो।
- शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक ब्यक्ति तक पहुचे।
- प्राकृतिक संसाधनों का उचित प्रवंधन हो।
- प्रत्येक विकासशील कार्य करने हेतु प्रत्येक ब्यक्ति संक्षम हो।

दृष्टि एवं लक्ष्य :–

दर्शना का विजन समाज में महिलाओं को समाज में बराबरी का दर्जा दिलाना है। लिंगभेद समाप्ति एवं अत्याचार अनाचार से मुक्त समाज की स्थापना के साथ–साथ स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा स्वरोजगार स्थापित कराकर आर्थिक स्वावलंबन संस्था का मुख्य लक्ष्य है जिससे लोग सुरक्षित परिवेश में सम्मानजनक जीवन की सांस ले सकें साथ ही समाज के मुख्य धारा से वंचित सभी समाज के लोगो को पुनः समाज में उचित स्थान प्राप्त हो सकें।

कार्यक्षेत्र :– संपूर्ण भारत

कार्यनीति

- ग्रामीण सहभागी मूल्यन (पीआरए) पद्धतियों एवं बेसलाईन सर्वे के माध्यम से ग्रामों की वास्तविक स्थिति ज्ञात करना।
- लोगो के साथ बैठकों एवं संवाद स्थापन के द्वारा सहभागी नियोजन एवं कार्यक्रम का निर्धारण कर लोगों की सहभागिता से कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करना।
- प्रचार–प्रसार के विभिन्न माध्यमों जैसे प्रचार सामग्री, नुक्कड़ नाटक, कलाजत्था, पोस्टर, प्रदर्शनी, रैली तथा एक्सपोजर विजिट आदि के माध्यम से योजनाओं की जानकारी देना।
- विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों की क्षमताओं में वृद्वि करना।
- समूहों के माध्यम से संगठनात्मक एवं सृजनात्मक कार्य करना ।

संस्था द्वारा वर्ष 1999 से पूर्ण की परियोजनायें–

स्वाशक्ति (IFAD), प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (संभव समाज सेवी संस्था), जिला गरीबी उन्मूलन परियोजना (डीपीआईपी) ग्रामीण पर्यटन विकास, (पंचायत एवं ग्रमीण विकास विभाग), सांजी (UNDP एवं भारत सरकार) पैक्स, तारा अक्षर (DFID) एस.जी.एस.वाय. (जिला पंचायत) हाउसिंग प्रोजेक्ट (एच.एफ.एच.आई DA नई दिल्ली). बहेलिया पुर्नवास एवं सशक्तिकरण कार्यक्रम (पन्ना टाईगर रिजर्व) सामग्री निमार्ण पर महिलाओं का क्षमता व्यवहार (DST भारत सरकार एवं DA नई दिल्ली) कानून तक पहुच (UNDP एवं DA) बकरी आधारित आजीविका कार्यक्रम बुन्देलखण्ड, आईएनआरएम (सर दोराब जी टाटा ट्रस्ट मुम्बई), मध्यप्रदेश पोषण परियोजना (केयर इण्डिया), तेजस्विनी कार्यक्रम (MPVVN), जोरदार कार्यक्रम (FHI360), सांझी सेहत (FHI360), मै कुछ भी कर सकती हूँ (PFI) म.प्र.न्यूट्रीशन प्रोजेक्ट (Care India), Patient Provider Support Agency (NHM), साथिया सिनेमा कार्यक्रम (UNFPA), चाइल्ड ग्रोथ मॉनिटरिंग (BMZ & WHH), PLA (NHM)

संस्था द्वारा संचालित परियोजनाऐं

परियोजना का नाम	वित्त पोषित	समय अवधि	परियोजना अंतर्गत किए जा रहे प्रमुख कार्य एवं परिणाम
दर्शना वृद्ध सेवा आश्रम	सामाजिक न्याय विभाग म.प्र.शासन	2003 से निरंतर	25 वृद्धजन की क्षमता वाले वृद्धाश्रम का सफल संचालन, वृद्ध जनों को भोजन, आश्रय, एवं चिकित्सा की उत्तम निशुल्क सुविधा प्रदान की जाती है। उन्हें पारिवारिक परिवेश उपलब्ध कराया जाता हैं।
आजीविका विकास केन्द्र	स्वयं एवं स्थानीय प्रशासन के सहयोग से	2008 से निरंतर	छतरपुर जिले के बमीठा ग्राम में संस्था द्वारा विभिन्न विभागों के सहयोग से एक प्रशिक्षण उत्पादन एवं बिक्री केन्द्र स्थापित किया गया। जिसमें ग्राम के आसपास के ग्रामों की महिलायें सीमेण्ट आधारित कम लागत भवन निर्माण सामग्री (प्रीकास्ट) तैयार करती है तथा नये लोगों को यहां प्रशिक्षण दिया जाता है। उत्पादित सामग्री का विक्रय भी इसी केन्द्र से किया जाता है।
लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना (पन्ना एवं ओरछा)	म.प्र. राज्य एड्स नियंत्रण समिति भोपाल	अक्टूवर 2008 से निरंतर एवं 2013 से निरंतर	उच्च जोखिम समुदाय के ज्ञान,कोशल एवं द्रष्टिकोण में बदलाव के लिये विभिन्न गतिविधियां की जा रही है जिससे एड्स के प्रसार को रोकने में मदद मिले। इस परियोजना के लिये संस्था पन्ना जिले में ड्रग यूजर्स 250 एवं एम. एस. एम. 150 के लिये 400 लक्ष्य समूह के साथ कार्य किया जा रहा है। एवं ओरछा जिला टीकमगढ में 400 FSW लक्ष्य समूह के साथ इन्ही प्रयासों के साथ कार्य किया जा रहा है।
आशा प्रशिक्षण माड्यूल 6 एवं 7	एन.आर . एच.एम. भोपाल	अक्टूबर 2011 से निरंतर	म.प्र.शासन के एन.आर.एच.एम. कार्यक्रम के अर्न्तगत आशा,आशा सहयोगी, ए.एन.एम. तथा एल.एच.व्ही.को मॉड्यूल 6 एवं 7 का प्रशिक्षण छतरपुर जिले में संस्था द्वारा संचालित है। वर्ष 2022–2023 में आशा प्रशिक्षण मॉड्यूल 06 एवं 07 में इण्डक्शन 02 बैच, प्रथम चरण के 01 बैच, द्वितीय चरण में 02 बैच, तृतीय चरण में 01 बैच, चर्तुथ चरण में 02 बैच, HBYC 04 बैच, एवं एनसीडी

			10 बैच आशा के 22 बैच समपन्न किये जिसमें 609 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण पांच दिवसीय है जो पूर्णत आवासीय है।
चाइल्ड लाइन कार्यक्रम	भारत सरकार महिला एवं बाल विकास	मार्च 2016 से निरंतर	0 से 18 वर्ष तक के बच्चों को हेल्पलाइन 1098 का संचालन किया जा रहा है जिसमें भारत सरकार के महिला बाल विकास मत्रालय बच्चों की सहायता हेतु पूरे देश में संचालित कार्यक्रम अनुसार संसथा द्वारा कार्य किया जा रहा है। संस्था की टीम 1098 का प्रचार प्रसार करते हुए कम्प्लेन एवं स्वयं के नजर में दिखने पर बच्चों को तुरंत सहायता प्रदान की जाती है।
खाद्य सुरक्षा एवं पोषण विविधता (सेनू) कार्यक्रम	GIZ & WHH	नवम्बर 2016 से निरंतर	जिले के समस्त ग्रामों में महिला बाल विकास की आंगनवाडी कार्यकर्ता के माध्यम से सहभागी सीख (PLA) पर आधारित कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है जिसमें आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को 4 चक्रो में प्रशिक्षित कर ग्राम स्तरपर च्स्। बैठकों का आयोजन किया जाता हैं साथ ही पोषणवाडी 50 फोकस ग्रामों में इन सत्रो का आयोजन टीम के सदस्यों की सहायता से आंगनवाडी कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाता है। जिसमें अभी तक प्रथम चरण में 1832 आंगनवाडियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। जिनके द्वारा आयोजित बैठकों में 15 से 49 वर्ष की 76500 महिलाओं ने भाग लिया। 50 ग्रामों की सीख के आधार पर सम्पूर्ण जिले में प्रक्रिया की जाती है। साथ ही पोषणवाडी जो कि 500 परिवारों में विकसित की गई हैं। ताकि लोगों को ताजी सब्जियां एवं फल उपलब्ध हो सके और उनके भोजन में विविधता आ सके। कम्युनिटी स्कोर कार्ड एवं सिटिजन रिपोर्ट कार्ड जो कि आधिकारों और सुविधाओ में सुधार के उद्देश्य से समुदाय के बीच में प्रशासन के साथ कार्य कर किया जा रहा है।
डे एनयूएलएम (आश्रय स्थल)	नगर पलिका छतरपुर	मार्च 2017 से निरंतर	भारत सरकार के डे एनयूएलएम कार्यक्रम अर्तगत आश्रय स्थल का संचालन किया जा रहा है। उक्त गतिविधि के संचालन की जिम्मेदारी नगरपालिका छतरपुर द्वारा संस्था को जिम्मेदारी दी गई है संस्था इसका संचालन नियमानुसार कर रही है। उक्त आश्रय स्थल में ऐसे लोगों को आश्रय देने का प्रयास किया जा रहा है। जो कि आश्रय विहीन है तथा होटल आदि का किराया वहन नहीं कर सकते।
राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम	छतरपुर	01 अगस्त 2017 से निरंतर	किशोरों के साथ काम करने की अपार संभावनाओं को ध्यान में रखकर भारत सरकार द्वारा इसे जनवरी 2014 में प्रारंभ किया गया। जिससे किशोर अपने स्वास्थ्य और

			स्वयं के जीवन के प्रति सोच–समझकर और जिम्मेदारी से निर्णय लेंगे और अपनी पूरी क्षमता हासिल करने में सक्षम हो सकेंगे।मध्यप्रदेश में यह कार्यक्रम 11 जिलों झाबुआ, अलीराजपुर, बडवानी, डिण्डौरी, मण्डला, उमरिया, शहडोल, सिंगरौली, सतना, पन्ना एवं छतरपुर में संचालित किया जा रहा है। उक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने के किशोरों में वाल विवाह को खत्म करना,कम आयु में गर्भ के अंतराल को बढाना, पीयर दबाव को कम करना, किशोरों में सही व संतुलित पोषण की जानकारी देना, मानसिक तनाव/अवसाद को कम करना और यौन व प्रजनन स्वास्थ्य से जुडे विषयों पर ध्यान देने हेतु प्रेरित करना और उनमें सकारात्मक नजरिये को प्रोत्साहित करना है। ताकि हम उक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर हो सकें।
लिंक वर्कर स्क्रीम	टीकमगढ	01 नवम्बर 2017 से निरंतर	लिंक वर्कर स्कीमका उद्देश्य उच्च जोखिम व्यवहार वाली जनसंख्या, जैसे–पुरूष समलैन्गिक, महिला यौन कर्मी, इंजेक्शन के द्वारा ड्रग लेने वाले, भ्रमणशील मजदूर, ट्रक डायवर इत्यादि में एच.आई.वी./एड्स संक्रमण की दर को कम करना है। इसके के लिए ऐसे स्वयं सेवी संगठनों के माध्यम से हस्तक्षेप कार्यक्रम क्रियान्वित करने की रणनीति बनाई गई है, जो लक्षित जनसंख्या के साथ रहकर कार्य करते हो ।
पोषण समृध ग्राम	राजनगर बिजावर	01सितम्बर 2018 से निरंतर	पोषण समृद्व कार्यक्रम BMZ एवं WHH के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम बहुआयामी सामाजिक हस्तक्षेपो को शामिल किया गया है। दक्षिणी एसिया में से देशों के लिए इस कार्यक्रम में समाहित गतिविधियां कुपोषण उन्मूलन में काफी मददगार साबित हो रही है वर्तमान में प्रयोग के तौर पर यह कार्यक्रम म.प्र. सहित नेपाल एवं बाग्लादेश में भी संचालित है। इस कार्यक्रम में शामिल मुख्य गतिविधियां पोषण शिविर, स्थाई एकीकृत कृषि प्रणाली पोषण संवेदी नियोजन, पोषण वाटिका एवं सामुदायिक संगठनों का सशक्तिकरण क साथ–साथ LANN+PLA को शामिल किया गया है। ये समस्त गतिविधियां WHH द्वारा विभिन्न देशों में की गई जिनके बेहतर परिणाम देखने को मिले है।
म.प्र. ट्रिज्म बोर्ड	राजनगर	03 अक्टूबर 2018 से निरंतर	स्थानीय ग्रामीणों के जीवन की गुणवत्ता में वृद्वि,स्थानीय संस्कृति ,कला, शिल्प,स्थानीय तथा एतिहासिक महत्व

			के स्थलों को प्रोत्साहित करते हुये प्रकृति के संरंक्षण के प्रयासों को बढावा देने तथा पर्यटकों को ग्रामीण जीवन शैली के प्रर्दशन, सस्ती /मितव्ययी एवं गुणवत्तापूर्ण सुविधायें तथा उक्त अनुभव को अविस्तारणीय बनाने हेतु पर्यटन की व्यवस्था व सुनियोजित विकास हेतु दर्शना महिला कल्याण समिति छतरपुर द्वारा म.प्र. पर्यटन बोर्ड की सहायता से पहल खजुराहो के समीप स्थित ग्रामों को उक्त कार्य के संदर्भ में विभिन्न प्रयास किये जा रहे है।

Resources and Assets

S.No.	Assets	Number	Worth in Rupees.
1	Computer with printer & accessaries	08	2.70 laks
2	Laptop	21	6 Laks, 40 thousand
3	Furniture Table	28	75 thousand
4	Furniture Chair	90	35 thousand
5	Furniture Almari	12	50 thousand
6	Furniture Iron rake	10	6 thousand
7	Fan/ Cooler	28, 04	45 thousand
8	Projector with Screan & accessaries	02	1 Laks, 50 thousand
9	Camera,video camra & photo printer	15, 02,01	1 Laks, 07 thousand
10	Sound systam	03	30 thousand
11	T. V. VCD systam	03	35 thousand
12	Hero Moter cycle	09	5 Laks 40 Thaoused

इस वर्ष संस्था द्वारा किये विशेष कार्य – एक नजर में

आदर्श ग्राम पाटन विशेष

1. अफ्रीकी देशो के सदस्यों को भाया पाटन मॉडल – संस्था के कार्यक्षेत्र राजनगर के ग्राम पाटन को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किया गया है जहा एकीकृत कृषि विकास प्रणाली, पोषण स्वास्थ्य शिक्षा, आहारीय विविधता, स्वच्छता, स्कूली शिक्षा, वातावरण निर्माण, पर्यावरण संरक्षण, ग्राम पंचायत के सहयोग से संरचनाऐ निमार्ण कुपोषण मुक्ति की दिशा में विशेष प्रयास किये गये है। ग्राम की बदलती तस्वीर को अन्य ग्रामों के लोग देखने आ रहे है इसके साथ साथ देश विदेश के लोगो द्वारा भी यह भ्रमण किया गया है जिसमें प्रमुख रूप से अफीकी देशों के प्रतिनिधियों द्वारा भ्रमण किया गया जिसमें मलाबी, सीरिया, लियोने, बुर्किना,फासी,बुरूडी आदि के 17 सदस्यीय दल द्वारा ग्राम का भ्रमण किया गया तथा यह आकार कुपोषण से निपटने का प्रशिक्षण लिया इन सदस्यों द्वारा यहा की सीख को अपने देशों में लागू किया जायेगा।

प्रदेश/आसपास

अफ्रीकी देशों को भाया कुपोषण से लड़ने का छतरपुर के पाटन गांव का माडल

2. श्योपुर जिले की संस्था महात्मा गांधी सेवा आश्रम द्वारा संस्था के पोषण पर किये गये कार्य एवं विशेष प्रयासों एवं अभिनव प्रयोगों को देखने, सीखने एवं लागू करने के उद्देश्य 05 सदस्य के दल द्वारा भ्रमण किया गया, भ्रमण उपरांत कार्यक्रम की गतिविधि NPLA, Kitchen Garden, Deskreview आदि को देखकर काफी प्रभावित हुये।

संस्था में सचालित कार्यक्रमों की प्रगति

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (RKSK)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंर्तगतर स्वास्थ्य विभाग द्वारा किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके अंर्तगत जिले के 8 विकासखण्डो में आशा कार्यकर्ता, प्रशिक्षकों एवं ग्राम तदर्थ समिति के अनुमोदन से 15 से 19 वर्ष के पीयर एजुकेटर (साथिया) का चयन किया गया है। पीयर एजुकेटर को साथिया नाम दिया गया है। इनमे एक किशोर एवं एक किशोरी साथिया शामिल है।

सभी विकासखण्डों में चयनित साथिया को 6 दिसव का प्रशिक्षण दिया गया, प्रशिक्षण पश्चात साथिया अपनी उम्र के 10 से 19 वर्ष के किशोर एवं किशोरीयों का स्वास्थ्य, सामाजिक जीवन, कौशल, कैरियर संबंधि परामर्श एवं जानकारी खेल खेल में प्रदान करेगें। राष्ट्रिय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम अंर्तगत साथिया द्वारा 10 से 19 वर्ष के किशोर किशोरियों की अलग–अलग ब्रिगेड टीम का गठन किया गया है।

राष्ट्रिय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंर्तगत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.विजय पथोरिया, डी. पी.एम. श्री राजेन्द्र खरे, राष्ट्रिय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम जिला समन्वयक श्री दीपेश नायक, दर्शना संस्था से कार्यक्रम निर्देशक श्री राजेश गुप्ता, कार्यक्रम समन्वयक पुष्पेन्द्र मिश्रा के मार्गदर्शन में स्वयं सेवी संस्था दर्शना महिला कल्याण समिति छतरपुर द्वारा जिले के समस्त विकासखण्डों में 6 दिवसीय साथिया प्रशिक्षण, सर्पोटिव सुपरविजन, किशोर स्वास्थ्य दिवस AHD एवं परामर्श का काम किया जाता है प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा साथिया को प्रशिक्षित किया जा रहा है जिससे किशोर किशोरियों को अच्छे स्वास्थ्य के लिए जागरूक किया जा सके।

1 मातृ मृत्यु दर में कमी लाना।
2 शिशु मृत्यु दर में कमी लाना।
3 सकल प्रजनन दर में कमी लाना।

किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के छः मुद्दे।
1 पोषण यौन 2. प्रजनन स्वस्थ्य 3. असंचारी बीमारी 4 मादक पदार्थो का दुरूपयोग 5. चोट एवं लिंग आधारित हिंसा 6. मानसिक स्वस्थ्य।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम की मुख्य गतिविधियां

साथिया चयनः– आशा कार्यकर्ता के द्वारा अपने ग्राम के किशोर किशोरियों के बीच से साथिया के गुणों को ध्यान में रखकर (जैसे काम करने में रूचि रखता हो,नेतृत्व की क्षमता हो, आशा कार्यकर्ताओं के क्षेत्र के हो, उसी ग्राम में रहता हो, 15–19 बर्ष के बीच का हो, ग्राम स्वस्थ्य तदर्थ समिति द्वारा सत्यापित का चयन किया जाता है)

साथिया प्रशिक्षणः– ग्राम स्वस्थ्य तदर्थ समिति द्वारा साथिया चयन करने के बाद साथिया को रविवार अवकाश में राज्य स्तर से प्रशिक्षण प्राप्त मास्टर ट्रेनर के द्वारा साथिया को 6 दिन का प्रशिक्षण दिया जाता है जिसमें आशा कार्यकर्ता साथिया को प्रशिक्षण केन्द्र तक साथ में लाती और 6 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त कराती है।

साथियां विग्रेड चयनः– साथिया अपने ग्राम में अपने क्षेत्र के किशोर किशोरियों को चय न कर अपनी विग्रेड टीम बनाता है, जिसमें किशोर साथिया अपनी और किशोरी साथिया अपनी विग्रेड टीम बनाती है जिसमें 20 सदस्य रहते है, संख्या कम होने पर 20 से कम भी रख सकते है साथियां विग्रेड के सदस्य वो होने चाहिए जो साथिया के मोहल्ले से बैठक में उपस्थित हो साथियां की बात मानते हो।

क्लस्टर बैठकः– आशा सहयोगी के क्षेत्र का एक क्लस्टर बनाया जाता है जिसमें उस क्षेत्र के सभी साथिया और आशा कार्यकर्ता की मां के तीसरे सप्ताह में आशा सहयोगी और प्रशिक्षक के द्वारा उस क्षेत्र की क्लस्टर बैठक का आयोजन किया जाता है। जिसमें कॉमिक बुक पर चर्चा की जाती है साथियां का ग्राम में बैठक का रिकार्ड सर्पोटिव सुपरविजन, आगामी विग्रेड बैठक आदि पर चर्चा की जाती है।

विग्रेड बैठक :– क्लस्टर बैठक के बाद चतुर्थ सप्ताह में साथिया अपनी विग्रेड टीम के साथ अपने ग्राम में बैठक करता है जिसमें क्लस्टर बैठक में प्राप्त कॉमिक बुक पर चर्चा का वितरण किया जाता है। साथिया विग्रेड में साथिया की मदद के लिए आशा कार्यकर्ता व प्रशिक्षक उपस्थित रहते है, और ऐप रिर्पोटिग की जाती है।

साथिया सर्पोटिव सुपनविजनः– प्रशिक्षकों के द्वारा माह में 25 दिन का साथिया के क्षेत्र में द्वारा फिल्ड विजिट किया जाता है जिसमें वह साथिया की बैठक में मदद किशोर किशोरियों और जन समुदाय एवं विग्रेड टीम के अभिभावक को जागरूक करना शिक्षक,सरपंच,सचिव से मिलना और आर.के.एस.के. मुद्दों पर चर्चा करना और ग्राम में इनकी मदद लेना। जिससे साथिया को काम करने में आसानी हो।

S.No	Name of Block	Name of CHC	Name of PHC	Total No of AF	Total No of SHC	Total RKSK Village	Total ASHA - RKSK	Total Peer selected & trained
1	Nowgong	Nowgong	Gadimalehra	1	3	11	12	24
2	Nowgong	Nowgong	Maharajpur	2	5	20	36	72
3	Nowgong	Nowgong	Kurraha	2	5	19	26	52
4	Nowgong	Nowgong	Alipura	1	4	15	24	48
5	Nowgong	Nowgong	Lugasi	2	4	15	21	42
6	Nowgong	Nowgong	Garroli	1	3	11	15	30
7	Nowgong	Nowgong	Nowgong	2	5	15	26	52
8	Nowgong	Nowgong	Harpalpur	3	7	0	0	0

9	Badamalehra	Badamalehra	Bhangwa	5	9	55	65	130
10	Badamalehra	Badamalehra	Ramtoriya	2	3	20	24	48
11	Badamalehra	Badamalehra	Bamnora	1	2	13	15	30
12	Badamalehra	Ghuwara	Nil	3	7	29	34	68
13	Badamalehra	Badamalehra	Sendhpa	8	14	81	96	192
14	Buxwaha	Buxwaha	Buxwaha	6	10	59	67	134
15	Buxwaha	Buxwaha	Bajna	5	6	55	61	122
16	Satai	Bijawar	Angor	2	3	14	18	36
17	Satai	Bijawar	Gulganj	2	4	26	33	66
18	Satai	Bijawar	Bijawar	0	1	1	8	16
19	Satai	Bijawar	Devra	4	6	41	52	104
20	Satai	Bijawar	Satai	1	3	16	18	36
21	Satai	Bijawar	Lakhanguan	3	6	36	48	96
22	Satai	Kishangarh	Nil	4	5	36	44	88
23	Rajnagar	Khajuraho	Rajnagar	4	6	26	43	86
24	Rajnagar	Khajuraho	Bamitha	2	4	17	32	64
25	Rajnagar	Khajuraho	Dhawad	2	3	20	24	48
26	Rajnagar	Khajuraho	Khajuraho	3	4	22	43	86
27	Rajnagar	Khajuraho	Chandranagar	1	3	11	24	48
28	Rajnagar	Khajuraho	Silon	2	3	15	20	40
29	Rajnagar	Khajuraho	Jhamtuli	2	5	20	30	60
30	Rajnagar	Khajuraho	Vikrampur	2	5	17	28	56
31	Rajnagar	Khajuraho	Karri	1	3	10	16	32
32	Rajnagar	Khajuraho	Basari	1	4	11	18	36
33	Gaurihar	Gaurihar	Barigarh	2	9	27	32	64
34	Gaurihar	Gaurihar	Gaurihar	4	8	32	42	84
35	Gaurihar	Gaurihar	Sarwai	3	6	36	48	96
36	Lavkushnagar	Lavkushnagar	Chandla	5	9	60	62	124
37	Lavkushnagar	Lavkushnagar	Muderi	4	8	39	53	106
38	Lavkushnagar	Lavkushnagar	Lavkushnagar	3	7	27	33	66
39	Ishanagar	Ishanagar	Matguan	5	8	44	60	120

40	Ishanagar	Ishanagar	Lahera Purwa	6	7	37	65	130
41	Ishanagar	Ishanagar	Ramnagarkanti	7	9	50	75	150
Total	8	10	43	134	257	1109	1491	2982

खाद्य सुरक्षा एवं पोषण विविधता (सेनू) कार्यक्रम

GIZ एव WHH के वित्त पोषित दर्शना महिला कल्याण समिति द्वारा संचालित

लक्ष्य – वंचित वर्ग को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराना एवं पोषण में विविधता लाना है। विशेषकर प्रजनन उम्र की महिलाओं (15 से 49 वर्ष) एवं 0 से 23 माह के बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाना।

उद्देश्य – प्रजनन उम्र की महिलाओं एवं बच्चों (0 से 23 माह) के आहार में विविधता लाना व उनके लिए न्यूनतम स्वीकार्य आहार में बढोत्तरी करना – जागरूकता के माध्यम से, हक एवं अधिकारों तक पहुंच बनाकर, शासकीय सेवाओं की सामुदायिक आधारित योजना व मूल्यांकन के माध्यम से

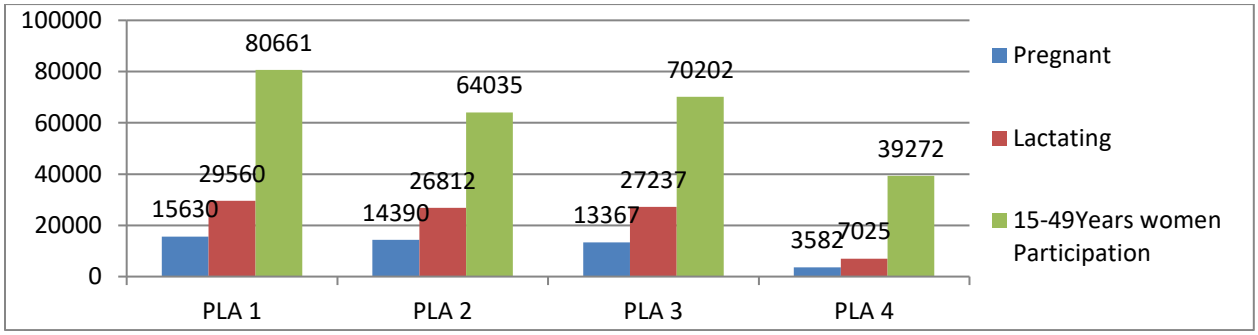

Participation of AWW Traind, Pregnant , Lactating Mother & 15-49 Years women

Phase	Chhatarpur			
	No of AWWs Trained	Pregnant	Lactating	15-49Years women Participation
1	1832	15630	29560	80661
2	1789	14390	26812	64035
3	1690	13367	27237	70202
4	1631	10200	26848	83255

दर्शना महिला कल्याण समिति छतरपुर जिले में खाद्य सुरक्षा एवं पोषण विविधता कार्यक्रम का क्रियान्वयन सम्पूर्ण छतरपुर जिले में GIZ एवं WHH के मार्गदर्शन में कर रही है। छतरपुर जिले के 02 विकासखण्डों में जिनमें राजनगर एवं बिजावर शामिल है। संस्था इन 02 विकासखण्ड़ों के 50 ग्रामों में गहन रूप से कार्य कर रही है। इन्ही 50 ग्रामें की सीख के आधार पर संस्था कार्यक्रम का विस्तार सम्पूर्ण जिले में कर रही है। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रजनन उम्र की महिलाओं एवं बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाना है।

इस हेतु कार्यक्रम के 04 मुख्य स्तम्भ है। जिनमें खाद्य पदार्थो की उपलब्धता, पहुंच, उपयोग, और निरंतरता शामिल है। इन स्तम्भों की प्राप्ति हेतु कार्यक्रम में 03 महत्तवपूर्ण रणनीतियां है जिसमें से पोषणवाडी भी एक महत्तवपूर्ण रणनीति है। पोषणवाडी के माध्यम से 02 विकासखण्डों के 50 ग्रामों में 2000 परिवारों को पोषणवाडी से जोडने हेतु उद्यानिकी विभाग के सहयोग से एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। ताकि पूरे वर्ष वंचित समुदाय के परिवारों को ताजी हरी सब्जियां एवं फलों की उपलब्धता रहे लोग विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों के आधार में विविधता रहे एवं उनके पोषण स्तर में सुधार हो सके।

Year	No. of fruit Plants	No.of vegetable Plants	No.of Seed Kit
2016	11085	75393	2162
2017	10879	73771	3085
2018	0	0	20000
2019	0	0	1325
2020	0	0	2000
2021	0	0	1968
2022	0	0	1897
2023	0	0	500

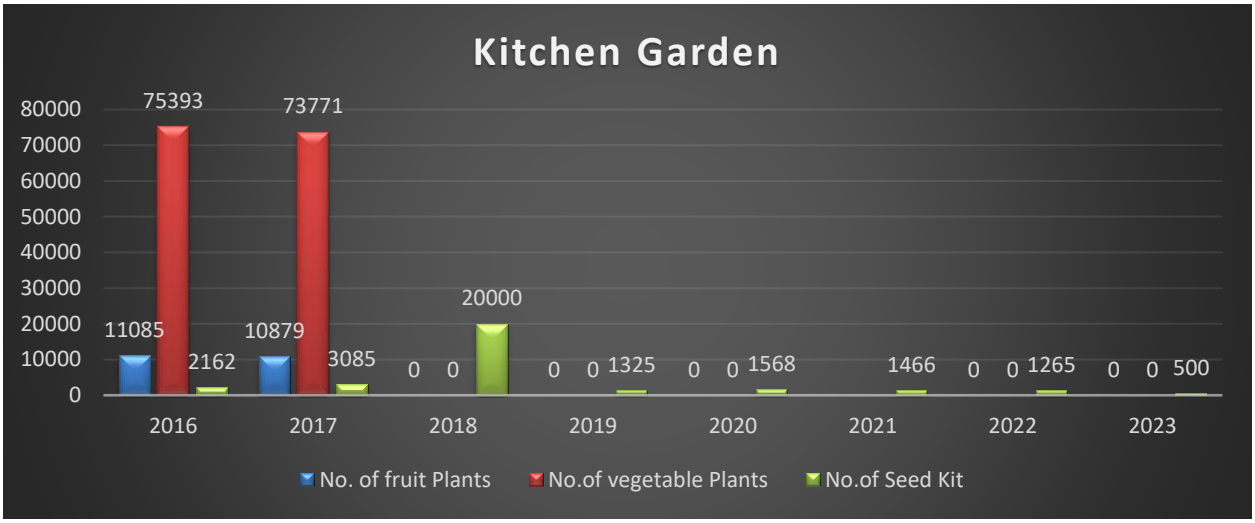

कोविड के लिए किये गये कार्य –

Sr.No	Awareness Activities	Coverage
1	No. of family members made aware on Social Distancing and preventive measures against COVID-19	39654
2	No. of Individuals made aware about hand washing practices	39654

3	No. of family members made aware on breastfeeding & complementary feeding practices	39654
4	Discussion with community on COVID-19 Preventive measures in public places	39654
6	Corona screening of the Migrant workers	7014
7	Tipi Tap demonstration to the families	1446
8	Families made aware about establishing nitration garden	4996
9	Coordination with Stake Holders/ Front Line Workers I	3130

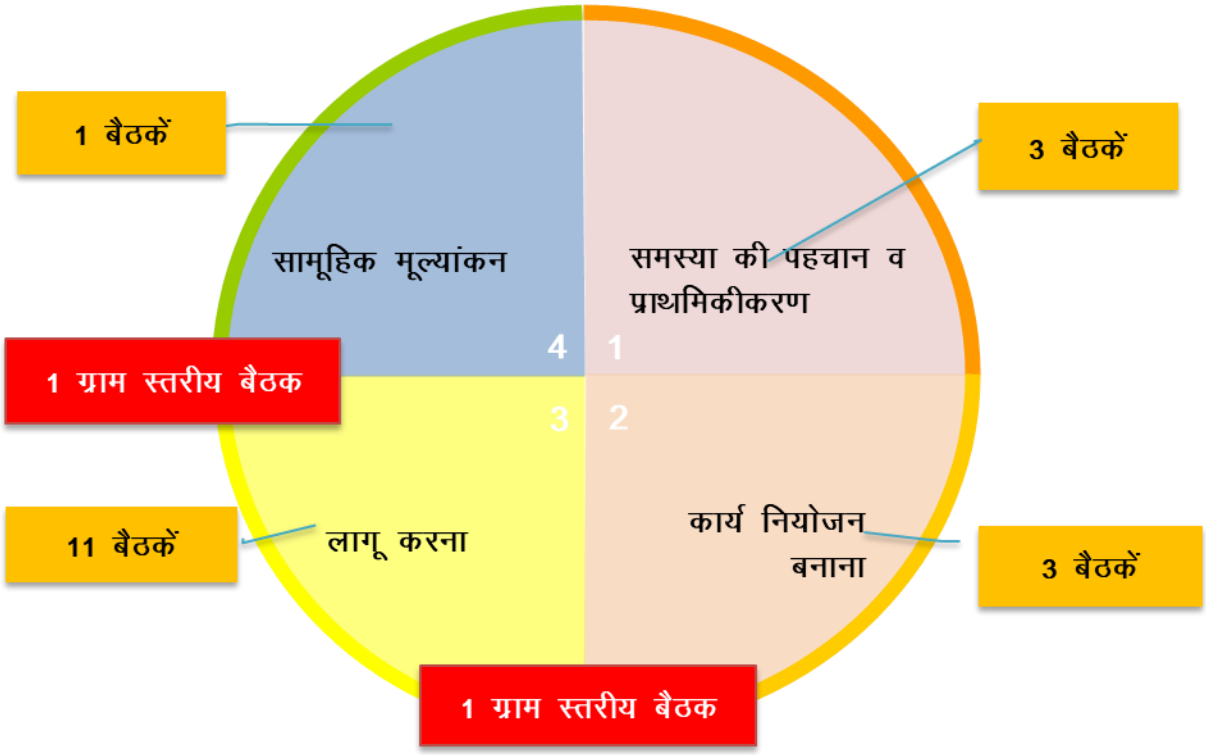

लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना(एड्स कार्यक्रम):–

म. प्र. राज्य एडस नियांत्रण सोसायटी की लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना मे संस्था पन्ना जिले में ड्रग यूजर्स एवं एम एस एम के लिये 330 लक्ष्य समूह के साथ कार्य किया जा रहा है। उच्च जोखिम समुदाय के ज्ञान,कोशल एवं द्रष्टिकोण में बदलाव के लिये विभिन्न गतिविधियां करना जिससे एडस के प्रसार को रोकने में मदद मिले।

लक्षित हस्तक्षेप कार्यक्रमों का उद्देश्य उच्च जोखिम व्यवहार वाली जनसंख्या,जैसे– पुरूष समलैन्गिक, महिला यौन कर्मी, इंजेक्शन के द्वारा ड्रग लेने वाले, भ्रमणशील मजदूर, ट्रक डायवर इत्यादि में एच.आई.वी./एड्स संक्रमण की दर को कम करना है। इसके के लिए ऐसे स्वयं सेवी संगठनों के माध्यम से हस्तक्षेप कार्यक्रम क्रियान्वित करने की रणनीति बनाई गई है, जो लक्षित जनसंख्या के साथ रहकर कार्य करते हो ।

Typlogy	Target	Achivement (Regt.) 2020-21	DropOut
IDU	100	164	136
MSM	100	159	72
FSW	800	992	379
Total	1000	1315	587

लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना ओरछा

परियोजना कार्यक्षेत्र – लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना का कार्यक्षेत्र निवाड़ी जिले के निवाड़ी, ओरछा व प्रथ्वीपुर है, जहॉ निवाड़ी व प्रथ्वीपुर मे दो न्यू साइट खोजी गई व पंजीयन किये गये एवं निरन्तर न्यू साइट खोजने के प्रयास टीम के द्वारा किये जा रहे हैा साथ ही न्यू साइट पर सी.बी.एस. कैम्प का आयोजन भी किया गया जहॉ पर डाक्टर्स की टीम के द्वारा सहयोग दिया गया। कार्यक्षेत्र के अर्न्तगत निवाड़ी साइट पर एक्टिव एच. आर.जी. संख्या 161, ओरछा साइट पर एक्टिव एच.आर.जी. संख्या 101 व प्रथ्वीपुर साइट पर एक्टिव एच. आर.जी. संख्या 209 है अतः कुल एक्टिव एच.आर.जी. संख्या 471 है।

परियोजना का कार्यालय ओरछा मे स्थित है जहां पर कार्यालय से निबाड़ी साइट लगभग 30 कि.मी. की दूरी पर है व कार्यालय से साइट चन्दपुरा 12, पनिहारी 18 कि.मी., नेगुऑ 19 कि.मी. दर्रेठा 20 कि.मी., प्रथ्वीपुर 24 कि.मी. व ककावनी 40–45 कि.मी. की दूरी पर है।

DMKS ORCHHA TI		Annual Activity Sheet 2022-23														
S. No.	Activity	Annual Target			Achievement (Number/%)											
		FSW	April	May	June	July	Aug.	Sept.	Oct.	Nov.	Dec.	Jan.	Feb	Mar	Total	%
1	Active HRG Registration	400	580	552	462	421	427	433	438	445	445	455	472	479	479	
2	New HRG registration	80	2	5	9	6	6	6	5	7	0	10	17	7	80	100
3	HRG contacted at least once during the month for any project services	4800	485	540	473	518	425	433	430	442	444	444	464	470	5568	116
4	Regular Contacts of HRGs (FSW, MSM, TG/Hijra and IDU)	4800	483	535	464	500	418	427	424	435	435	440	447	463	5471	114
5	Clinical Attendance of HRGs	1600	138	201	120	159	252	99	44	222	103	62	215	202	1817	114
6	Syphilis Screening	800	32	128	110	89	65	67	38	112	82	73	106	97	999	125
	Syphilis Screening G.P.		0	0	29	47	149	129	0	108	87	140	2	263	954	
	Syphilis Screening JAIL	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
7	Counseling	1600	0	37	109	167	176	118	94	158	178	117	181	229	1564	98
	Condom Demand	1E+05	11148	11148	10668	10668	10720	10720	10720	10968	10968	12626	12860	12980	136194	100
8	Condom Demand Vs. Dist.	1E+05	8090	10350	6540	6415	9850	10929	8842	8368	9780	12614	12712	12688	117178	100
9	Social Marketing	0	470	0	18	0	0	240	670	0	140	0	0	2574	4112	4
10	HIV Testing at ICTC	800	32	94	100	52	58	35	44	108	68	29	65	70	755	94
11	HIV Screening though CBS	20%	0	34	10	37	7	32	0	4	14	44	41	27	250	25
	HIV Screening though CBS G.P.		0	0	89	122	191	129	0	166	87	140	2	333	1259	
	HIV Screening though CBS JAIL		0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
12	Total Testing		32	128	199	211	256	196	44	278	169	213	108	360	2194	
13	HIV Positive in Current Financial Year (2020-21)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	

14	**VDRL Reactive in Current Financial Year (2020-21)**	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	1	0	3	
15	**Total Alive cumulative PLHIV**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	
16	**Total ART Link current FY**	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	
17	**Total Link with ART Commulative**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	
18	**Total On-ART Commulative**	0	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	
19	**Referral For TB**	0													0	
20	**PE review meeting**	48	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	48	100
21	**Staff review meeting conducted by PM (Internal Training Sessions)**	12	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	1	12	100
22	**Total HRG's Screening HIV (CBS+F-ICTC)**		32	128	110	89	65	67	38	112	82	73	106	97	999	
23	**Total HRG's Screening Vdrl (CBS+F-ICTC)**		32	128	110	89	65	67	38	112	82	73	106	97	999	

चाइल्ड लाइन कार्यक्रम :– 0 से 18 वर्ष तक के बच्चेां को हेल्पलाइन 1098 का संचालन किया जा रहा है जिसमें भारत सरकार के महिला बाल विकास मत्रालय बच्चों की सहायता हेतु पूरे देश में संचालित कार्यक्रम अनुसार संसथा द्वारा कार्य किया जा रहा है। संस्था की टीम 1098 का प्रचार प्रसार करते हुए कम्प्लेन एवं स्वयं के नजर में दिखने पर बच्चों को तुरंत सहायता प्रदान की जाती है।

Activity Report - Collaborative Organizations

1. Call statistics in the following format for the year: (1st APRIL 2022 to 31th MARCH2023)

INTERVENTION CALLS	APR-22	MAY-22	JUN-22	JUL-22	AUG-22	SET-22	OCT-22	NOV-22	DEC-22	JAN-23	FEB-23	MAR-23	TOTAL
Medical Help	1	5	4	2		3	6	6	1		3	3	34
Shelter								4				1	5
Protection from Abuse	1	0	4		2	3		1					11
Physical Abuse	5		4			8		3				1	21
Child Marriage	3	9	5				1	1			3		22
Child Labour				2			5					1	8
Child Sexual Abuse			1					1	1				3
Cyber Crime		1										1	2
Beggary	1		2	3	1		1	2					10
Education	1		4	22	7	2	1	1	4	1	1	6	50
Foster Care		3		7	4		8			1		2	25
Molistration	2	1					3		1	1		1	9
Sponsorship	2	1	4		1	3	3	1				6	21
MISSING	3		1	1		5	7	1		1	1		20
Missing lost and Found	4	3	1								1	1	10
Runaway							1						1

E S & G		4	1	3	3		2	2					15
Others	5	8	7	10	7	10	5	2	1	3	1	6	65
Counseling						4	4	1			4	6	19
Corona (COVID-19)					1								1
Total	**28**	**35**	**36**	**49**	**27**	**38**	**47**	**26**	**8**	**7**	**13**	**38**	**352**

लिंक वर्कर परियोजना टीकमगढ़ -:

लिंक वर्कर स्कीम का उद्देश्य उच्च जोखिम व्यवहार वाली जनसंख्या, जैसे–पुरूष समलैन्गिक, महिला यौन कर्मी, इंजेक्शन के द्वारा ड्रग लेने वाले, भ्रमणशील मजदूर, ट्रक डायवर इत्यादि में एच.आई.वी./एड्स संक्रमण की दर को कम करना है। इसके के लिए ऐसे स्वयं सेवी संगठनों के माध्यम से हस्तक्षेप कार्यक्रम क्रियान्वित करने की रणनीति बनाई गई है, जो लक्षित जनसंख्या के साथ रहकर कार्य करते हो।

Reporting Data Year 20223-23

S.NO.	Taypolgy	Line list	Contect	Clinic	1 st time Testing	2nd time testin	Helth Camp	Mid Media	SMC Helth Camp Target	SMC Helth Camp achive
1	FSW	172	172	172	172	93	60	60	20	0
2	MSM	4	4	4	4	0	0	0	0	0
3	TB	101	101	101	82	0	0	0	0	0
4	Trucker	93	93	79	82	0	0	0	0	0
5	ANC	1488	1488	1488	1483	0	0	0	0	0
6	MIGRENT	10441	8714	5309	5715	0	0	0	0	0
7	OVP	7271	6345	3893	4133	0	0	0	0	0

Performance Indicators for Link Worker Scheme

Name of NGO	Typology	Outreach	No. of Line Listed	Target	Achievement	% of Achievement
Darshna Mahila Kalyan Samiti link worker scheme Tikamgarh	High Risk Group (FSW+MSM+IDU)	Contact	176	176	176	100%
		HIV Testing	176	176	176	100%
		STI Screening/Clinic Visit	176	176	176	100%
	Migrants	Contact	10441	10441	8714	83%
		HIV Testing	10441	10441	5715	55%
		STI Screening/Clinic Visit	10441	10441	5309	51%
	Truckers	Contact	93	93	93	100%
		HIV Testing	93	93	82	88%
		STI Screening/Clinic Visit	93	93	79	85%
	Other Vulneravle Population	Contact	7271	7221	6345	87%
		HIV Testing	7271	7271	4133	57%
		STI Screening/Clinic Visit	7271	7271	3893	54%
	ANC	Contacted	1488	1488	1488	100%
		HIV Testing	1488	1488	1483	100%
		STI Screening/Clinic Visit	1488	1488	1488	100%
	TB	Contacted	101	101	101	100%
		HIV Testing	101	101	82	81%
		STI Screening/Clinic Visit	101	101	101	100%
	PLHIV	Contact	57	57	57	100%
		ART Linkages	57	57	57	100%
		Social Protection Linkages	57	57		

Nutition Smart Village Project

Overall objective (Impact): To contribute to food and nutrition security (SDG 2) of vulnerable and food insecure families in Nepal, Bangladesh and India

Specific Objective: To create a comprehensive preventive and supportive environment at the community level to fight the second wave of Covid-19. In addition, provide nutritious meals and other essential items to survive the testing time.

Direct Target Group: Vulnerable and marginalized communities with a special focus on women, small children and returning migrant and daily-wage laborers of Madhya Pradesh.

Area Coverage:

District	Block	Panchayat	Village
Chhatarpur	Rajanagar	86	50
Chhatarpur	Bijawar	28	50

Population Coverage:

Detail	Number
Total Families	29900
Total Village	100
Total Gram Panchayat	74
Female Population (15-49 Years)	20410
Children (06 Month to 03 year)	7007
Total Population	139755

The multisectoral approach to food and nutrition security is consolidated and institutionalized in cooperation with government agencies.

Child screening - In year 2022 total 8322 children screened by project team out of 9800 from 100 villages remains children were not in villages theirs family were on migration . after the entry of all data on Akvoflow we found that out of total 8322 children 2712(32.58%) children are in under- weight and 67.42% percent children are Normal According to WAZ. When we see the wasting among 6-59 month children so approximately 13.44% children are wasted and 2.84% children are in less than 3 SD . for these children we provided referral services immediately. And remining children trated at village level by organising Nutrition camp and Baal Bhoj as community based Management of malnutrition.

Nutrition Camp(Fulwari) – During the Reporting period 12 Nutrition camps has been organised by trained nutrition volunteers and extension workers of the village for the mothers / care takers and their children in villages with high prevalence of undernutrition. Villages identified by project team by conducting census screening of children in all 100 village of project area. For organising nutrition camp one

community meeting conducted in each village to take consents from mothers and finalized venue, food menu, and topics for 15 days. In 12 villages total 265 children participated with their mothers on everyday of Nutrition camp Breakfast, lunch, and Nutrimix provided to children. Project team ensure that cooked food for children must be baby friendly and made from locally available food materials. For skill development of mothers everyday one topic discussed with mothers like importance of 1000 days, dietary diversity, hygiene and sanitation, cooking process of nutritious food for children, diarrhoea Management, community-based management of Malnutrition, IYCF etc. On day1, day7 and 15th day of Nutrition camp project team done the anthropometric measurement of children to track their growth during nutrition camp so out of 265 children 46 SAM children moved to MAM and 80 MAM children moved to Normal grade with in 15 days period. After 15 Days follow up plan developed to track children status after camp. 6 follow up for each child has been done by project team in the interval of 15 days. and project team observe that mother practicing the learning from Nutrition camp at home and now out of 265 SAM/MAM children 196 are in Normal grade.

Baal Bhoj – During the Reporting period 14 Baal Bhoj organised by project team in Model and scale up village of project area. Baal Bhoj was the Mega campaigned at the village in leadership of local communities and extension workers of the villages to promote baby friendly nutritious recipe . During the reporting period in 14 villages 1045 Mother, 18 AWW,27 other extension worker participated and 766 U5children served food during Baal bhoj . the objective of the Baal Bhoj was to improve skill of mothers on cooking practices. In each village 5-6 Types of baby friendly recipe were prepared by mothers by using locally available food materials like Millets, cereals, pulses, vegetable, fruits , seeds, beans etc.

LANN+ PLA Sessinon at Village – Trained extension worker of project area 124 AWW, 52 ASHA, 35 Krishi mitra and community volunteer jointly organised LANN+ PLA session with community at village level. During the reporting period total 1100 session organised in project area focused on family nutrition education . In the 50 model village Phase 3 meetings organised on thematic topic complementery feeding ,recepe demonstration,WASH, Nutrition garden,safe drinking water strategy to reduce undernutrition , importance of uncultivated food,these session conducted on monthely basis. And in the scale up village Phase1,2 Meeting conducted in these meeting community identified the problem related to nutrition and prepare strategy after the priortization of problem. Extension worker organised these session in the interval of 15 days in all 100 villages 2800-3000 community members participated in each meeting.

Sustainable integrated Farming System – During the Reporting period trined farmer develop there farm as demo site to demonstrate low cost techonoly of agriculture for other farmers of the village so 25 demo site developed in this year with minimum 5 subsystem. Trined farmer start farmer field school session on monthely basis in this year total 500 session conducted with 1650 farmer at village level.

Millet Revival Drive – Kodon is a forgotten crop of chhatarpur district . But currently, it is a neglected crop. Kodo millets have a higher protein content than rice and are strong suppliers of phosphorus and iron. These minor millets have a significant potential to help reduce nutritional deficiencies in the State because of their high nutritional value and ability to even flourish in poor soils with insufficient water supply.so project team try to revive the kodon millent in Project area. During the reporting period 65 farmers initiate kodon crop with maize, and shorgum . farmer get good production from 67 acre they got 122 quintal . Now in next year it will be scaled up.

Nutrition Garden - 2500 nutrition garden set up in entire Rajnagar block and 50 village of Bijawar in the reporting period. In these gardens we take care of the availability of food group so 13 types of vegetable seed provided to venerable family. these family also trained on nutrition garden process, 5 types of fruit plant sapling like Guava , lemon, karri patta, Papaya , and Moring sapling also provided to 2500 family and gardening tools were provided to 2000 family as spray pump, GI wire, Khurpi, spade . to all beneficiary. project volunteers provided hand holding support to beneficiary in the setting up of Nutrition Garden. now all garden are in good condition and they are providing produce even in summer season and family members consuming the produce in their diets so dietary diversity improved in entire block for the sustainability one seed box also provided in each village of Rajnagar Block in this box user group of Nutrition Garden will store the seeds and they continue the practice after project period because they will have their own seed, so they are now independent in this process.

Nutrition sensitive Micro planning – In year 2022 NSMP process conducted in 15 villages of Rajnagar and bijawar Blocks in the leadership of community and guidance of Rural development department 15 Village level nutrition centric Plan were prepared. These plan submitted to Gram Panchayat in gramsabha and it will be uploded on GPDP portal in january 23rd .

Nutrimix training for mothers – in the rural area most of the mothers engaged in there labour and agricultural work in this situation they don't pay attention to children in the absence of mother's elder children take care of young children. but as per age of children they required complementary feeding 4-5 times in a day that was the challenge in rural area. So project team promoting premix instant food for children nutrimix. and also provide training to mothers how can make baby friendly food for children from locally available food material this recommended by food and nutrition board. During the reporting period in 24 villages Nutrimix training conducted for mothers 935 mothers participated in this training and learn the process of nutrimix preparation and now they are preparing nutrimix from locally available material wheat, pulse, groundnut / seas gum and stored in air tied container and anyone from family can feed children in the absence of mothers and its impact directly on the status of child nutrition.

Food processing and recipe demonstration – Food preservation is the process of treating and handling food in such a way as to stop or greatly slow down spoilage and prevent food illness while maintaining nutritional value, texture, and flavour. It is significant in enhancing food and nutrition security, especially in a rural area where farmers produce fruits and vegetables seasonally, but they cannot store the excess production for a long time because of unawareness about food preservation methods at the HH level. The Nutrition Smart Village team of Chhatarpur organised food processing training in village Patan and Ontapurwa 68 women participated in this training participants learned different methods of food preservation like salting, boiling, heating, and pickling. The training program was a huge success and greatly helped the locals to increase their knowledge around food and preservation. Now, by preserving food, the community is able to increase their food security through food storage and reduce food waste as well in the process. Thus, it has increased the resilience of the local food system and reduce the environmental impact of food production.in this training mother also learn the low-cost recipe from locally available food. now they are able to prepare child friendly food.

Seed Ball Drive By children – The seed ball protects the seeds from the hungry mouths of small animals and birds. Rain breaks down the clay and the humus provide necessary nutrients for the young seedlings. Seed balls help increase green space. seed balls can work well anywhere with a rainy season. Seed balls have an 80 percent growth success rate in comparison to regular seedlings, during the reporting period

project team initiate the seed ball drive for plantation with support of children. Because children always involved in innovative drive so in 18 villages children collect seed different types of plant made more than 5000 seed ball now, they are ready to plantation drive as the monsoon come, they initiate plantation drive and more than 5000 plant will be planted this year it is No cost activity and way be very helpful in increase the green area of environment.

World environment day celebration – with objective aware community about environment conservation world environment day celebrated by project team in 11 villages. where drawing competition, essay writing competition, wall painting, plantation and awareness Rally organized in villages these activities create enables behaviour to community for environment conservation.

International mensural day celebration – The onset of menstruation is challenging for school-aged girls in low-income settings. Impacts can include school absentees missed class time, reduced participation, teasing, fear and shame, and risky adaptive behaviour Further challenges that menstruating school girls face are a lack of knowledge, communication, and practical guidance prior to menarche and during menstruation; inadequate water, sanitation, and hygiene (WASH) facilities; and ineffective or unavailable menstrual Management materials.so on 28 may 2022 Nutrition Smart Village team Chhatarpur celebrated International menstrual day in 15 Nutrition smart villages during the day Awareness rally conducted in villages, to aware girl about hygiene during the menstrual time and LANN+ meeting 15 organised also . project team distributed 200 packets of sanitary pad also distributed to adolescent girl. Field officer Mrs sajan vaidhya lead the discussion and also talked about use and safe disposable of sanitary pad. This activity helpful to improve menstrual hygiene status in project area and for sustainability Udita corners also started at AWC.

Support in Regular immunization and Vaccination – Regular immunization and vaccination for pregnant , lactating mothers, children and adolescent is equally important because its reduce the infection and illness. So project team support at village level on VHND to conduct effective and widely vaccination at village during the reporting period project team supported in VHND in 12 villages of bijawar and Rajnagar block . if all children and mother received this service timely then we can reduce the risk of malnutrition in project area .

RESULT 2 –

Knowledge management and promotion of multisector approach towards FNS

Sarpanch Training on Role of Panchayat in Nutrition &Health- During the reporting period Project team organised one day orientetion for Village Panchayat Sarpanch in 2 Batches on Role of PRI in Imrovement of health and Nutrition status of village.for this orientetion CEO of Janpad Panchayat Bijawar and Rajnagar issued the formal letter to Sarpanch of Prject area to partocipate in one day orientetion . orientetion programe organised at Gram Panchayat Chandranagr on 12 octover 2022 and on 5 decmber in Janpad meeting Hall Bijawar. From project area 46 village Panchayat Sarpanch from Rajngar and Bijawar block trained on nutrition smart village aproche and mehtodology . Role of village panchayat in health and Nutrition realted issue were discussed in the one day orientetion. Village sarpanch agreed to support in Nutrition smart village project process to imroove the nutrition status of villages .

VHSNC and SMS Member Training – on 11 octover one day training for Master trainers conducted on Role and repsosibility of VHSNC and SMS member in hotel midcity chhatarpur. Training facilited by Rajesh Bhadoriya ji from VSS. 15 VHSNC and 12 SMS Member and project team participated in the training.

RESULT 3 –
Identified best practices in nutrition smart villages are scaled up through extensive policy advocacy, capacity building and technical support.

Annual review workshop – Utsav - The Regional Nutrition Program is a multi-country multisectoral project to reduce hunger and malnutrition. It focuses primarily on the underlying causes of malnutrition and then focuses on creating a supportive environment by addressing the basic causes of malnutrition to create Nutrition Smart Communities where the community understands malnutrition in its practical terms and has the knowledge and skills to better use their existing resources to nourish their families. The project is being implemented in 260 model villages in 7 districts of Bangladesh, India and Nepal. Partner organization MGSA, DMKS, FIVDV, Anando and Forward Nepal implementing the project with Support of WHH. a three-day annual meet-up – was organised in Khajuraho this year to celebrate the Nutrition Smart CommUNITY. The intent to build a collective understanding of the status of the project and the review of the diverse thematic initiatives of all partners took a beautiful shape during the three-day. On 1rst day theme based exhibition presented by each partner organization and program progress and data annual data shared by WHH team india .Darshana Mahila Kalyan Samiti Chhatrpur host the workshop. To generate an understanding of and insight into the fields of Nutrition Smart CommUNITY in India, a field visit to three different villages (Patan, Ontapurwa and Majota) was organised on the second day. All the participants were divided into three groups and observed the status and impact of the five "best practices", the project's methodology, its convergence with the government, community engagement and more. An organised feedback session was also held to share the key highlights, suggestions for change and co-learning aspects by all the teams. In this workshop all partner organization also prepare plan for next one year its presented on last day of workshop.

Annual reviw workshop Nepal – 2nd Annual Review workshop of project conducted in Nepal workshop host by FORWARD Nepal . all three contry partner organization participated in this workshop . 5 member from DMKS Chhatrpur was also the part of this workshop . The focus of the review meeting was learning peer learning through the exchange of ideas between the six partners from the three countries. The team visited 3 villages in the district of Rautahat, Nepal to learn about the Nutrition Smart CommUNITY in Nepal and understand the scale-up strategy. An exhibition was organized to display some of the partners' achievements and project updated to display the planned activities. Several excellent innovations were shared by the participants from the three countries and the scope of replication of these innovation was brainstormed. Finally, the phase out strategy and fund utilization status were discussed.

Model Village Patan

Objective of the project - To improve the nutritional level of the community of selected villages as well as to establish their better access to selected government services at the village level.

Broad Objective: Zero Hunger by reducing chronic and over-nutrition in India (contributing to the SDG -2 Global Nutrition Goal)

The output/results were discussed in detail, in which everyone understands developed on the following topics.

1.1 Improved awareness building exercises like LANN-PLA & SIFS,PLA. Through this, nutrition practices and behavior change at the household level will be promoted.

1.2 The community will be able to apply that knowledge to better nutrition sensitive planning.

1.3 To develop the capacity of service providers/institutions (health and nutrition frontline workers and Gram Panchayat members NREGA extension workers) at the community level so that they can perform their duties better.

2.1 - Village communities/institutions will be able to become demonstration centers and connect with the network of supporters.

2.2 - At least 5 out of 17 SDGs will be adopted by the end of the project. (1 - No one will be poor. 2 - No one will go hungry. 3- Better health and welfare. 4- Quality Education 5 - Clean Drinking Water and Sanitation)

A joint understanding of all the participants was developed on the above Output/results of the project.

Model Village Activity

Screening of children 0 to 59 months.

The concept of Adarsh Gram focuses on nutrition. Where nutrition is talked about, there cannot be comprehensive improvement in the nutritional status without finding out the status of malnutrition. Keeping this in mind, to know the current malnutrition status of village Patan, a survey was conducted along with the Anganwadi worker for the families of the village who have children from 0 to 59 months. This survey work was done in the first week of June.

Due to this, the children of 0 to 29 months are being weighed every month along with the Anganwadi worker and the malnutrition level is being monitored continuously. And by the village Balantier, a tour of the planet is being done to the malnourished children and the mothers of the children are being made aware and told about the methods of

food and food preparation and feeding of the children. And the weighing and monitoring of the children is being documented every month by the Anganwadi worker..

LANN + PLA Meeting .

LANN + PLA meetings are being organized continuously in the village as per the plan of the nutrition rich village project. Under which meetings are represented every month by village volunteers, village Anganwadi workers, Asha workers on dates 10th and 26th. Village women are constantly being made aware about nutrition and nutrition based agriculture work through meetings.

Strengthening of adolescent groups

With the aim of creating atmosphere in the village and organizing the power of the youth, a youth group was formed in the village, in which 30 boys and girls of the village were included and prepared for the development of the village after 05 days of training. Regular meetings are being held with them and they are being groomed for their role in rural development. The above team is being prepared on the basis of following points along with general computer knowledge.

- Monthly meetings with adolescents is being organized
- Through meetings, information about given to the adolescents of government schemes
- Develop leadership Quality for adolescents.
- Adolescents are being motivated to improve the quality of education.
- Adolescents are being motivated to ensure that no child in the village should dropout the school.

Identification and strengthening of Existing committees (SHG)

The role of self-help groups in the concept of an ideal village and the importance of regular meetings of self-help groups, the importance of savings transactions, the development of organizational power and leadership equity, as well as livelihood-based activities, and detailed

training on micro-enterprises were organized in the months of August and September, in which Along with government assistance in setting up micro industries, the nutritional status of the village, food and dietary diversity, malnutrition and understanding on malnutrition cycle were developed in front of development and by developing under standing on the hidden causes of malnutrition and 10 food groups, more and more food can be consumed. The strategy to include in the diet of the groups was discussed and with the aim of bringing the utility, availability, accessibility and continuity of the food items, group members were taken to the nutrition garden after developing an understanding on the importance and usefulness of the self-help group members. . After detailed discussion on ill effects of open defecation in families

Information was provided on toilet construction, utility, government cooperation and the method of hand washing and at least before cooking, before eating food, after defecation, oath was given to hands wash regularly. Along with discussing the importance and adopting the techniques of organic farming, a plan for manufacturing organic fertilizers was prepared by sharing information about various methods of preparing organic fertilizers and the role of self-help groups in rural development and environmental protection was also explained to self-help group members.

Identification and strengthening of Existing committees (VHSNC)

VHSNC One of the main strategies and programs of the National Rural Health Mission (NRHM) is a means of ensuring community participation at all levels such as participation as beneficiaries, participation in health related activities VHSNC in the village for the purpose of community participation, in program implementation and monitoring, and even in planning activities based on health programs has been formed. At present, 05-day training was done to the members of the reconstituted committee in the months of October and November, so that the committee could actively perform its duties, and after the training, monthly meetings have been started by the committee. And topics like health, nutrition, and cleanliness have started being discussed in the village. In the coming times, we will be able to see the active role of the committee.

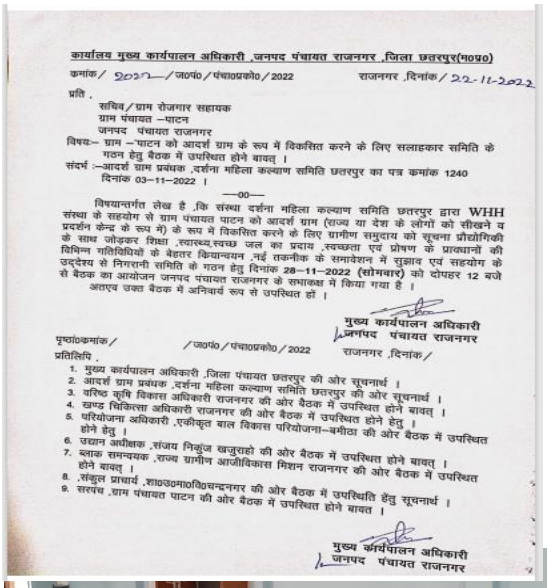

कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी ,जनपद पंचायत राजनगर ,जिला छतरपुर(म0प्र0)

क्रमांक/ 2027 /ज0पं0/पंचा0प्रको0/2022 राजनगर ,दिनांक/ 22-11-2022

प्रति ,
सचिव/ग्राम रोजगार सहायक
ग्राम पंचायत –पाटन
जनपद पंचायत राजनगर

विषयः– ग्राम –पाटन को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने के लिए सलाहकार समिति के गठन हेतु बैठक में उपस्थित होने बाबत् ।

संदर्भ :–आदर्श ग्राम प्रबंधक ,दर्शना महिला कल्याण समिति छतरपुर का पत्र कमांक 1240 दिनांक 03–11–2022 ।

—00—

विषयान्तर्गत लेख है ,कि संस्था दर्शना महिला कल्याण समिति छतरपुर द्वारा WHH संस्था के सहयोग से ग्राम पंचायत पाटन को आदर्श ग्राम (राज्य या देश के लोगों को सीखने व प्रदर्शन केन्द्र के रूप में) के रूप में विकसित करने के लिए ग्रामीण समुदाय को सूचना प्रौद्योगिकी के साथ जोड़कर शिक्षा ,स्वास्थ्य,स्वच्छ जल का प्रदाय ,स्वच्छता एवं प्रोषण के प्रावधानों की विभिन्न गतिविधियों के बेहतर कियान्वयन ,नई तकनीक के समावेशन में सुझाव एवं सहयोग के उद्देश्य से निगरानी समिति के गठन हेतु दिनांक 28–11–2022 (सोमवार) को दोपहर 12 बजे से बैठक का आयोजन जनपद पंचायत राजनगर के सभाकक्ष में किया गया है ।

अतएव उक्त बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों ।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत राजनगर

पृष्ठ0कमांक/ /ज0पं0/पंचा0प्रको0/2022 राजनगर ,दिनांक/

प्रतिलिपि ,
1. मुख्य कार्यपालन अधिकारी ,जिला पंचायत छतरपुर की ओर सूचनार्थ ।
2. आदर्श ग्राम प्रबंधक ,दर्शना महिला कल्याण समिति छतरपुर की ओर सूचनार्थ ।
3. वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी राजनगर की ओर बैठक में उपस्थित होने बाबत् ।
4. खण्ड चिकित्सा अधिकारी राजनगर की ओर बैठक में उपस्थित होने बाबत् ।
5. परियोजना अधिकारी ,एकीकृत बाल विकास परियोजना–बमीठा की ओर बैठक में उपस्थित होने हेतु ।
6. उद्यान अधीक्षक ,संजय निजुंज खजुराहो की ओर बैठक में उपस्थित होने बाबत् ।
7. खाक समन्वयक ,राज्य ग्रामीण आजीविकास मिशन राजनगर की ओर बैठक में उपस्थित होने बाबत् ।
8. ,संकुल प्रभारी ,शा0उ0मा0वि0चन्दनगर की ओर बैठक में उपस्थिति हेतु सूचनार्थ ।
9. सरपंच ,ग्राम पंचायत पाटन की ओर बैठक में उपस्थित होने बाबत ।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत राजनगर

Creation of advisory committee.

Apart from the activities set by the project, inclusion of other development activities, better health, nutrition, quality education, cleanliness, advanced organic farming system, use of available resources, development of new technologies, renewable energy, to materialize the concept of ideal village. With the objective of providing significant contribution in making Patan village a model village by sharing suggestions/experiences from time to time for opportunities of growth in the technical skills of the community and youths along with livelihood opportunities, formation of the consultant under the chairmanship of the Chief Executive Officer (CEO) Rajnagar. Based on the order, it was done on 28 November 2022 in the Block assembly hall. After the said formation process, on the basis of the decision of the committee, the first meeting was organized in village Patan and the people of the village were informed about the advisory committee and the suggestions of the committee from time to time in the planning and implementation of village development. It was talked about doing. The meeting of this committee will be held every 03 months.

Conducting PIA for Preparation & tracking of village manifesto-

Participatory Impect Assisment (PIA) process was organized from 26rd December to 30th September 2022 in which youth group members of the village, panch of the village, self-help group members, farmers of the village, members of village development committees participated, whose main objective the prosice to capacitate the participants in preparing the village manifesto. This is a highly effective in persuading villagers to prepare their own plan.

PIA outcome and impact oriented monitoring framework that sets out the key accountability requirements and processes of the projects she can be seen as a tool that assesses progress in governance and social accountability, similar to community score-cards, social audits etc.

In PIA Workshops, the participants localise and review the progress made towards the global SDGs, as well as review the roles plaing by the key stakeholders and identify gaps and challenges.

This process was completed in the following steps.

Step 1: Timeline Exercise
Step 2: Collection of Factors
Step 3: Ranking of factors (Voting Game)
Step 4: Trend analysis
Step 5: Collection of various developmental Stakeholders
Step 6: Establishing relationship between factors and developmental stakeholders.

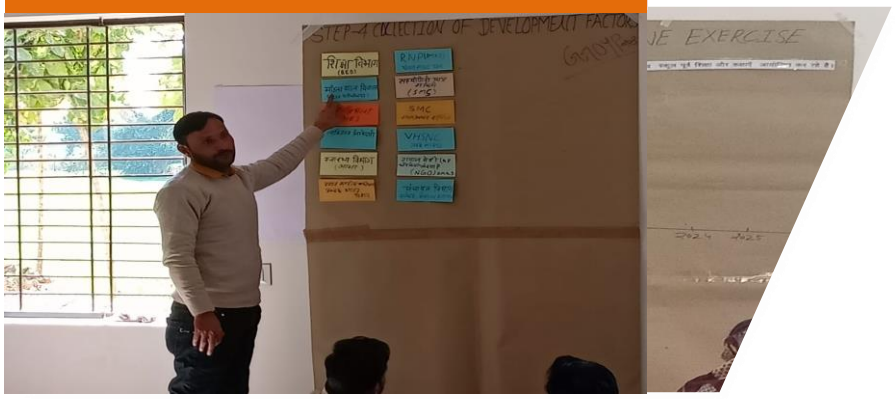

Operation of cycle rickshaw for village waste management -

A plan has been prepared with the gram panchayat and villagers, 01 cycle rickshaw has been purchased and provided to a member of the village. After collecting that garbage, it is being dumped in the pit made in the village. 30 /- per family is being charged monthly for collecting garbage. There are 256 families living in the village. On this basis a fee of Rs.7680/- per month will be charged, of which Rs.6000/- per month. Will be given to the rickshaw driver and the rest will be spent on maintenance.

Linking open taps of the water supply scheme inside the houses -

The water supply scheme was already being operated in the village, but the pipeline was sloped outside the houses and remained open, due to which the water supply was interrupted. There was wastage of water and the flow of water in the streets of the village used to make mud. With the help of the organization and the people, the tap connections of 30 families of the village were taken from outside to inside and taps were installed, now there is no wastage of water and the flow of water has also stopped.

Establishment of investigation center and first aid in the village -

Keeping in view the absence of health facilities in the village at present, a first aid and investigation center was established in the village in collaboration with the health department. Necessary pressure for first aid is to be made available by the health department and from time to time health checkup of women and children will be done by ANM and ASHA worker. For this, BP machine, ANC table, thermal scanner, pulse Oximeter, table, chair, almirah etc. have been supplied, since the establishment of the center, the families of the village are getting continuous health services.

Demonstration of cold room at village level to keep fruits and vegetables fresh for 7-8 days

About 60 families of the village are engaged in vegetable production, in which most of them grow tomatoes, okra, ridge gourd, greens, chillies, cabbage, radish, coriander leaves, barvati, but they can keep only one or two of them. When the season comes, they have a lot of green vegetables and they take them to the market and sell them, when all the vegetables are not sold in the whole day, then they sell the rest of the vegetables for less than half the price. As they do not have any such facilities to keep these vegetables safe with them, to solve this problem, a farmer of the village has been trained locally and built a cold room at a low cost, in which the extra vegetables can be stored. About 7-8 days are being kept for a longer time. In which about 5 to 4 farmers can keep their extra vegetables, in future other farmers of the village will see this and install it in their homes.

Demonstration of renewable energy by illuminating the dark streets of the village

Due to non-regularity of electricity in the village and reducing the use of electric energy in the future, solar lights were installed at 8 designated places in the village from the project post, for arranging lighting in the village at night. These places were selected by the Gram Panchayat. has been done and the Gram Panchayat has taken the responsibility of its upkeep and maintenance in future. Most of the villages are lit up at night due to the installation of solar lights.

Beautification work of Anganwadi center of the village,

The beautification work of the Anganwadi of the village was done on the basis of the approval of the department and chairs and tables were arranged for the children to sit. Today the Anganwadi center of the village has become beautiful and organized.

Establishment of Poshanbadis in the village.

There should be availability of green vegetables per family in the village every day, and along with diversity in their diet, at least 6 food groups out of 10 food groups should be available to them, for which continuous efforts are being made by the project staff, who have available some their land in homes.

The 20 families have been linked to Poshanwadi this year and in the coming time more families will be linked to Poshanwadi so that green vegetables will be available in their homes and their nutrition level will improve. Along with this, 50 families were given fruit bearing plants this year so that they can get fruits along with vegetables in the coming time.

Establishment of Computer Center.

Computer education started in village. - People in rural areas are still far away from basic education like computers, many schemes, benefits and necessary documents are needed, the people of the village have to go out to the people of the city, while they can be obtained by sitting at home, but the basic of computer Due to lack of information, it is not available, in order to solve this problem, a plan has been prepared by the organization Darshana to provide basic computer education to the people of the village from its own resources.

Computer operation plan

1. Computer education is being started from 05 laptops.
2. A batch of 10 members is being prepared. In which 02 people per laptop will learn.
3. Separate batches of juveniles and adolescent girls are being prepared. Also, if any members of the community and women want to take basic computer education, then separate batches will be prepared for them.
4. Computer education will be provided by volunteer worker.
5. Computer education will be free of cost.

Outcome (Future benefits of basic computer education)

- Access to global information of the youth of the village will be established through computer education.
- Will be able to get information / documents of various schemes.
- Yuba of the village will be able to establish access to self-employment.
- Knowing about various schemes will save you from disorientation.
- The youth of the village will be able to get good education,self-employment opportunities.

Establishment of Poshanbadis in the village.

There should be availability of green vegetables per family in the village every day, and along with diversity in their diet, at least 6 food groups out of 10 food groups should be available to them, for which continuous efforts are being made by the project staff, who have available some

their land in homes. The 20 families have been linked to Poshanwadi this year and in the coming time more families will be linked to Poshanwadi so that green vegetables will be available in their homes and their nutrition level will improve. Along with this, 50 families were given fruit bearing plants this year so that they can get fruits along with vegetables in the coming time.

Liaison and planning with various departments .

Coordination is being established with the service providers of various departments providing service in the village. Improving the quality of health and nutrition services in collaboration with Anganwadi workers and Asha workers, planning for cleanliness in the village with the overall cleanliness campaign, availability of organic farming and equipment with the Agriculture Development Officer, tree plantation work in the village with the Horticulture Department Scheme of planning, quality education and school education of school children in the village with Education Department, Scheme for livelihood promotion and training of self-help groups with State Livelihood Mission, Clean drinking water in the village with public health engineering department Availability, but is being planned. Constant liaison is being established with the above departments/service providers..

Environmental protection and tree planting work. -

Working towards environmental protection has been started by the members of the community. For this, work has been started after preparing a plan for tree planting at village individual/community level. Right now people have started planting trees individually in their homes. Along with this, community efforts are going on. In the coming month, a plan for tree plantation is being prepared on a large scale in collaboration with Panchayat and other departments. ,

MP Tourism Project Chhatarpur

विश्व में प्रशिद्ध एवं इतिहास के पन्नों पर इंगित खजुरोहों पर्यटन स्थल जो कि शिल्प कला के लिए प्रसिद्ध है। 950 ईसबीं से 1050 ईसबीं के बीच चन्देल राजाओं द्वारा यहां बहुत बडी मात्रा में मदिरों का निमार्ण कराया गया। खजुराहों शहर पूरे विश्व में मुडे हुये पत्थरों से निर्मित मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। इसके इलावा खजुराहों को अलंकृत मंदिरों के लिए भी जाना जाता है। जो कि देश का सर्वोत्कृष्ट मध्यकालीन स्मारक है।

यहा वर्ष में हजारों पर्यटकों का आना जाना लगा रहता है। यहा के पर्यटन से आसपास के ग्रामों को लागों का राजगार प्रात्त होता है। चुकिं बुन्देलखण्ड में स्थित खजुराहों में बन्देली भाषा, बुन्देली कला,

सस्कृति,व्यजन की झलग दिखती है। जो पर्यटकों को काफी प्रभावित करती है। साथ ही खजुराहों आसपास के ग्राम प्राकृतिक शोन्दर्य,नदी,पहाडियो से भरा पडा है। जिसके लिए विदेशी एवं देशी शैलानी आस–पास के ग्रमों का भी भ्रमण करतें है।

पर्यटन को बडावा देनी की दृष्टि से वर्ष 2018 में मध्यप्रदेश टूरिजम के साथ संस्था द्वारा ग्रामीण पर्यटन परियोजना की शुरूआत की गई।

परियोजना का उददेश्य –

मध्यप्रदेश में बहुआयामी पर्यटन स्थलों का विकास करना एवं उनमें गुणात्मक एवं सख्यात्मक वृद्वि कर पर्यटन स्थलों को स्थापित करना।

किये जाने वाले कार्य।–

1. मध्यप्रदेश में सास्कृतिक अनुभव,स्थायित्तवपूर्ण जुम्मेदार टूरिज्म को स्थापित कर पर्यटकों की संख्या में वृद्वि करना।
2. स्थानीय समुदाय हेतु सतत आजीविका के साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर आर्थिक जीवन में सुधार लाना।
3. सांस्कृतिक शैक्षणिक पर्यावरण संबन्धि एवं स्थानीय जीवनशैली से संबधिंत गतिविधियों को बढावा देना।
4. पर्यटकों को ग्रामीण जीवनशैली के प्रदर्शन सस्ती/मितब्ययी एवं गुणवत्तापूर्ण सुविधाऐं तथा उक्त अनुभव को अविस्मरणीय बनाने हेतु ग्रामीण पर्यटन का व्यवस्थित व सुनियोजित बिकास करना।
5. स्थानीय ग्रामीण जीवन की दैनिक गतिविधियों का संचालन करते हुये जेण्डर एवं सामाजिक फेमवर्क में सन्तुलन स्थापित करना।

स्थानीय सांस्कृतिक आधार पर ग्रामवार निम्न विवरण तैयार किया गया।

- आवास – सभी ग्रामों मे कच्चे, पक्के मकान निर्मित है। कच्चे मकानों में बुन्देली संस्कृतिक की क्षमता मिलती है। कच्चे मकानों में कला कृतियां है मिट्टी से बने घरों में लकडी से पटवा बना हुआ है। खाडखुडई में आदिवासी समुदाय के कच्चे मकानों में अनाज रखने हेतु मिट्टी की कुडिया बनी हुये भडेरी अनाज पीसने वाली पत्थर की चकिया आदि घरों के अंदर उपलब्ध है।
- इतिहास –यह चारों ग्राम 100 वर्ष से ज्यादा पुराने इन सभी ग्रामों की स्थापना मुख्य रूप से एक किसी परिवार द्वारा किये गये।
- भौगौलिक विशेषताये– रनगुवां ग्राम पहाडी के पास है यहां पर केन नदी पर बना हुआ रनगुवां बधा है

ग्राम में छोटी–छोटी पहाडी है शेष तीनों ग्राम केन नदी के किनारे बसे हुये है।

- रहन–सहन – इन ग्रामों में बुन्देली संस्कृति से रहन सहन है यहां पर अब ज्यादातर परिवार एक ही घर में छोटे–छोटे हिस्सों में रहते है परिवार में खाना पहनना आदि बुन्देली है।
- वस्त्रभूषण – धोती कुर्ता, कुर्ता पैजामा, बंडी पैजामा, साडी
- खेलकूद – लकडी, खो–खो, रस्सा–कस्सी, गिल्ली डंडा, हूल गदा, कंन्चा, लुका, चंदा पउआ, कब्बडी, चपेटा,
- संगीत बाघयंत्र – सारंगी, हारमोनियम, झीका, कीर्तन
- स्थानीय पकवान – कडी, डुबरी, महेरी, सन्नाटा, बुंदी के लड्डू, लटा, बिरचुन, सत्तू

अन्य – ग्राम के खान–पान पहनाव के साथ–साथ शाम की चौपाल, त्योहारों का मनाने का तरीका आपसी भाईचारा जो ग्रामों को शहरों से अलग बनाता है।

ग्राम में होम स्टे हेतु चिन्हांकित हितग्राही।

क्र	ग्राम का नाम	हितग्राही
1	रनगुवां	राघवेन्द्र सिहं
2	खाड खुडई	गुडिया गौड आदिवासी, मेमरानी गौड आदिवासी
3	नारायणपुरा	जीत सिंह, राजेन्द्र सिंह
4	बसाटा	रामचरन पाल

दर्शना वृद्धसेवा आश्रम

संस्था द्वारा अपने उद्देश्यों के अनुरूप असहाय वृद्धजनों की सेवा हेतु दर्शना वृद्धसेवा आश्रम का संचालन वर्ष 2003 से लगातार सफलता पूर्वक किया जा रहा है। वृद्धसेवा आश्रम का संचालन सामाजिक न्याय विभाग छतरपुर के वित्तिय सहयोग से किया जा रहा है। वृद्धसेवा आश्रम में ऐसे वृद्धजन जिनकी उम्र 60 वर्ष या उससे अधिक हो गई है परिवार से ठुकराये एवं निराश्रित वृद्धजन तथा जिसका कोई भी सहयोगी नहीं है। मानसिक रूप से स्वास्थ्य हो एवं किसी असाध्य बीमारी से पीडित न हो, या जो अपना जीवन सम्मान पूर्वक नहीं जी पा रहे है। वह सम्मान पूर्वक अपना जीवन जी सकें यह प्रयास संस्था की ओर से किया जा रहा है।

लक्ष्य :–

- वृद्धसेवा आश्रम में ऐसे वृद्धजन जिनकी उम्र 60 वर्ष से अधिक है जिनकी कोई भी सेवा करने को तैयार नहीं है व असहाय है एवं जो अपना जीवन सम्मान पूर्वक नहीं जी पा रहे उनको सहारा देना।

- जिनके बच्चों ने उन्हें उनके भाग्य पर छोड दिया है सहारा देने की वजह रास्ता अलग कर लिया है उनको सहारा देना।
- ऐसे वृद्वजनों को आश्रम में प्रवेश देने के बाद उनके परिवार जनों से नियमित सम्पर्क करना एवं उन्हे समझाना की माता–पिता की सेवा करना उनका परम कर्तव्य है।
- हमारा मुख्य लक्ष्य है कि वृद्वजनों को आश्रम में आने के बाद उनके परिवार को समझाइश के पश्चात खुशी–खुशी घर वापसी करवाना।
-

वृद्व सेवा आश्रम के द्वारा की जाने वाली गतिविधियां :–

- सुबह–सुबह सभी वृद्वजनों के द्वारा ईश्वर स्मरण एवं ध्यान
- अल्प आहार स्वरूप चाय एवं नास्ता
- भोजन प्रसाद ग्रहण करना
- पेपर पढना, सत्संग, चर्चा एवं चाय
- योग (व्यायाम) एवं खेल (चंदा–पउआ, कैरम, सांप सीढी, लूडो, पडागोटी आदि)
- वृद्वजनों के शारीरिक संचार, पर्यावरण के संरक्षण एवं समय बिताने हेतु अखबार से लिफाफा तैयार करना।
- रात्रि भोजन एवं विश्राम

वृद्धसेवा आश्रम के आंकड़े एक नजर में

आश्रम में 2022–23 में दर्ज वृद्व		
पुरूष	महिला	कुल
17	18	35

आश्रम में 2022–23 में घर वापिस वृद्व		
पुरूष	महिला	कुल
07	05	12

आश्रम में 2022–23 में मृत वृद्व		
पुरूष	महिला	कुल
01	02	03

अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस

दर्शना वृद्वसेवा आश्रम में छतरपुर में अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का प्रतिवर्ष आयोजन किया जाता है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सुबह से आश्रम परिसर में उल्लास देखा गया। आश्रम परिसर में अनेक प्रकार की खेल प्रतियोगिया की गई जिसमें सभी वृद्वों ने भाग लिया आश्रम

परिसर में स्थित मंदिर के सामने एवं गेट पर आकर्षित रंगोली बनाई गई जिसने अतिथियों का मन मोह लिया खेल प्रतियोगिता में अनेक प्रकार के खेल जैसे चंदा पऊआ, कुर्सी दौड, लूडो आदि खेलों का ढोलक एवं तालियां बजाकर से किये गये। प्रतियोगिता में आये प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आये वृद्वों को सामाजिक न्याय विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम श्रीमान् कलेक्टर महोदय द्वारा श्रीफल, साल, पुरूस्कार दिये गये। वृद्वसेवा आश्रम में गांधी जयंती का आयोजन किया गया आश्रम परिसर में कई प्रकार में पेड लगाकर वृक्षारोपण किया तथा उसके बाद भजन संध्या का आयोजन किया गया।

स्वास्थ्य परीक्षण – जिला अस्पताल में समय–समय पर वृद्वों का स्वास्थ्य परिक्षण आश्रम एवं जिला परिसर पर कराया गया प्रातः की क्रियाऐ पूर्ण करने के बाद सुबह 08 बजे से 10 बजे तक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिसमें वृद्वों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा वितरित की।

खेल प्रतियोगिताऐ – खेल प्रतियोगिताओं में वृद्धों द्वारा बढचढ कर भागेदारी की गई। जिसमे कैरम, चंदापऊआ, नौ गोटी एवं रंगोली आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उक्त सभी प्रतियोगिताओं में विजेताओ और उपविजेताओं को समाजिक न्याय विभाग के कार्यक्रम में विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा सम्मानित किया गया।

अन्य त्योहार – दर्शना वृद्वसेवा आश्रम में सभी त्योहारों को बडे हर्ष उल्लास से मनाया जाता है त्योहारों को मनाने के लिये जिले से कई अधिकारी वृद्व आश्रम में आते है और वृद्वों के साथ त्योहारों को मनाते है।

वृद्व आश्रम में दशहरा, दीपावली, होली, हरछट, सन्तान सप्तमी, रक्षाबंधन आदि त्योहार का आयोजन किया जाता है सभी धर्मो के त्योहारो को वृद्धसेवा आश्रम में उत्सव के रूप में मनाया जाता है। संस्था के सदस्य एंव सभी समाज सेवी एकत्र होकर त्योहार के लिए निश्चित व्यवस्थाओं के अनुसार मनाते है। इसमे गीत, संगीत एवं पूजा आदि की व्यवस्था की जाती है। जिससे वृद्धों को अपने घर जैसा एहसास होता है।

आश्रम में जन्मोत्सव एवं अन्य आयोजन – दर्शना वृद्वसेवा आश्रम में शहर से अन्य नागरिक स्कूल के बच्चे, शासकीय अधिकारीगण लोग आश्रम में आकर अपना जन्मदिन एवं विवाह की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आश्रम में वृद्वों से आर्शिवाद लेकर मनाते है एवं वृद्वों को फल एवं भोजन भी कराते है।

वृद्वजन हेतु विधिक सहायता शिविर का आयोजन

वृद्वो की सहायता हेतु कानून के द्वारा उन्हें सहायता दिलाने हेतु विधिक सहायता शिविर का आयोजन भी समय–समय पर न्यायालय द्वारा माननीय न्यायाधीश महोदय की उपस्थिति में किया जाता है तथा वृद्वों को उनकी सहायता हेतु कानून की जानकारी दी जाती है।

अन्य व्यवस्थायें जन सहयोग से–

- आश्रम में वृद्वों को शर्दी से बचाने हेतु नहाने के लिए गर्म पानी हेतु गीजर की व्यवस्था

- शीतल पेय जल हेतु आर.ओ. एवं फ्रिज की व्यवस्था
- गर्मी से बचाव हेतु सभी कक्षों में कूलर एवं पखों की व्यवस्था
- कपडे साफ करने हेतु वासिंग मशीन की व्यवस्था
- मनोरंजन हेतु टीवी एवं समाचार पत्र की व्यवस्था

वृद्वों से सौजन्य भेंट एवं आश्रम का अकस्मिक निरीक्षण

दर्शना वृद्वसेवा आश्रम में वृद्वों से उनका हाल चाल पूछने एवं उनके साथ समय गुजारने उन्हें फल,मीठा भोजन आदि खिलाने आश्रम में हमेशा शहर के आमजनों स्कूल कॉलेज के बच्चों के अलावा शासकीय अधिकारी, कर्मचारी एवं शासन प्रशासन के लोग सांसद महोदय, विधायक महोदय, केन्द्रीय मंत्री, कलेक्टर महोदय, न्यायाधीश महोदय, पुलिस निरीक्षक महोदय, उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग के सभी लोग समय–समय पर आश्रम का भ्रमण करते रहते है तथा दिशा–निर्देश देते रहते है। उक्त सभी लोगों ने आश्रम का भ्रमण कर आश्रम के वृद्वों से चर्चाकर तथा साफ–सफाई की प्रशंसा, आश्रम की प्रशंसा आश्रम की सुझाव पंजी में अंकित की है।

वृद्वसेवा आश्रम में संचालित गतिविधियां– दर्शना वृद्वसेवा आश्रम में वृद्वों को संगीतमय रामायण का पाठ कई वर्षो से किया जा रहा है। दोपाहर के समय धार्मिक गीता का पाठ पढकर सुनाया जाता है। वृद्वों से उनकी क्षमता अनुसार योगा कराया जाता है वृद्वों के मनोरंजन के लिए कैरम, चंदा पऊआ, पठागोटी आदि खेल एवं टीवी के माध्यम से धार्मिक कार्यक्रम द्वारा वृद्व मनोरंजन करते है।

खेल एवं प्रतियोगिता

आश्रम परिसर में वृद्धजन कैरम खेलते हुए

वृद्धजन दिवस पर सभी वृद्धजन ने कैरम प्रतियोगिता में हिस्सा लिया जिसमे श्री प्यारेलाल चौरसिया जी ने प्रथम स्थान हांसिल किया एवं श्री नाथूराम विश्वकर्मा जी दुसरे स्थान पर रहे एवं सीताराम पाल जी एवं राम शरण रावत जी ने भी प्रतियोगिता में भाग लिया,

रंगोली प्रतियोगिता

रंगोली कार्यक्रम में में वृद्ध माताओ ने प्रतियोगिता को देखते हुए अपने हाथो से रंगोली बनाई एवं उसमे कलर डाल कर उसे सुन्दर बनाया जिसमे प्रथम स्थान दुर्गाबाई गोस्वामी ने एवं दूसरा स्थान लक्ष्मीबाई रैकवार ने हांसिल किया इसके साथ ही रजनी और निर्मिला ने भी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया ,

लूडो प्रतियोगिता

लूडो प्रतियोगिता में प्रथम स्थान गिरजादेवी बाचपेई, एवं दूसरा स्थान लक्ष्मीबाई चौहान ने प्राप्त किया एवं रज्जी कुशवाहा एवं नैनतारा खरे ने भी प्रतियोगिता में भाग लिया

परियोजना का नाम – **दीनदयाल अन्त्योदय योजना नगर पालिका परिषद छतरपुर(म.प्र.)**

कार्यक्षेत्र – नगरीय क्षेत्र नगर पालिका छतरपुर(म.प्र.)

उद्देश्य –

1. शहरी गरीबो को रोजगार से जोडना।
2. आजीविका से जोडना।
3. शहरी गरीबो को स्वनिर्मित संस्थाओ की स्थापना के लिए प्रेरित करना।
4. शहरी गरीबो को समाजिक आर्थिक सेवाए उपलब्ध कराना
5. कौशल विकास करना।
6. शहरी गरीबो को वित्तीय संस्थाओ से जोडना।

लक्ष्य –

कमांक	वर्ष	समूह गठन	आवर्ती निधी	बैंक लिकेज	फेडरेशन ALF
4	2022–23	50	84	21	1

गतिविधिया एवं कियान्वयन प्रकिया

1. वर्डो का सर्वे करना।
2. शहरी गरीबो की पहचान।
3. शहरी गरीबो की बैठक एवं चर्चा।
4. स्वसहायता समूहो का गठन।

5. बैंक खाता खुलबाना।
6. नगरपालिका से बैठक रजिस्टर उपलब्ध करवाना।
7. समूहो की आबर्ती निधी निकलवाना।
8. समूहो को बैक के माध्यम से लोन निकलवाना।
9. समूहो की आय के स्त्रोत प्रारंभ कराना।
10. एरिया लेबल फेडरेशन निर्माण एव पंजीयन
11. सिटी लेबल फेडरेशन निर्माण एवं पंजीयन।
12. समूहो को अन्य योजना से जोडकर लाभ दिलाना।

क्र.	वर्ष	समूह गठन		आबर्ती निधी		बैक लिकेज		फेडरेशन
1	2022—23	लक्ष्य	उपलब्धी	लक्ष्य	उपलब्धी	लक्ष्य	उपलब्धी	लक्ष्य

हरिभूमि — जबलपुर - विंध्य भूमि — 25 Mar 2023

पत्रिका छतरपुर 08 पत्रिका patrika.com
सागर, सोमवार, 27 मार्च, 2023

एक एकड़ भूमि में मुर्गी, मछली पालन व जैविक खाद और सब्जी-फल का हो रहा उत्पादन

मुलिया बाई के मॉडल को अफ्रीका व जर्मनी के दल आए देखने

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

छतरपुर. जिले के दुरस्थ व दुर्गम अंचल की एक ग्रामीण महिला ने बहुउद्देशीय उत्पादन का ऐसा मॉडल तैयार किया है। जिसे देखने ...

छतरपुर. खेती का मॉडल देखता दल।

छतरपुर. किसान पाठशाला भी देखी।

किसान पाठशाला भी देखी

सुपोषित छतरपुर, सुपोषित मध्यप्रदेश
प्रभावी पोषण शिक्षा
उम्र के अनुसार वजन लेने के तरीके
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
SHOT ON POCO M3

Thank you!